

## यहाँ बनता नसीबा सभी का | by Hari Kishan Sharma

यहाँ बनता नसीबा सभी का  
जो भी आया यहाँ वो ही होके रहा बस यहीं का

सारे जग से निराला ये दर है  
ऐसी चौखट है ये जहाँ भरता है दामन सभी का  
यहाँ बनता नसीबा सभी का

कैसी महिमा है कैसा है जादू  
जो भी इसका हुआ ये भी होके रहा बस उसी का  
यहाँ बनता नसीबा सभी का

यहाँ रोते हुए जो भी आते  
वो ही ले जाते हैं एक खजाना यहाँ से खुशी का  
यहाँ बनता नसीबा सभी का

मैंने जीवन में जो कुछ भी पाया  
वो ही इसका दिया ये ही कहना है इसके रवि का  
यहाँ बनता नसीबा सभी का

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-hari-kishan-sharma/>